सीयूजे के प्रोफेसर ने तैयार की लद्दाखी भाषा की प्रवेशिका

जागरण संवाददाता, रांची : सेंट्रल युनिवर्सिटी आफ झारखंड के सुदूर पूर्व भाषा विभाग के सहायक प्रोफेसर डा. कोंचोक ताशी ने लद्दाखी भाषा की प्रवेशिका तैयार की है। यह प्रवेशिका शिक्षा मंत्रालय, केंद्र सरकार द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अंतर्गत मातृभाषा में पढ़ाई को केंद्र में रखकर एनसीइआरटी एवं भारतीय भाषा संस्थान मैसूर के साथ मिलकर तैयार की है। प्रवेशिका का उद्देश्य लद्दाखी भाषा में शिक्षण को बढ़ावा देना है। इस प्रवेशिका से विद्यार्थी लद्दाखी भाषा में पढ़ाई कर सकेंगे।

डा. कोंचोक ताशी

सीयूजे के डॉ कोंचोक ने लद्दाखी भाषा की प्रवेशिका तैयार की

रांची. केंद्रीय विवि, झारखंड (सीयूजे) के सुदूर पूर्व भाषा विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ कोंचोक ताशी ने लद्दाखी भाषा की प्रवेशिका तैयार की है. यह प्रवेशिका केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत मातृभाषा में पढ़ाई को केंद्र में रखकर एनसीइआरटी एवं भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर के साथ मिलकर तैयार की गयी है. इसका उद्देश्य लद्दाखी भाषा में शिक्षण को बढ़ावा देना है. इसके सहयोग से विद्यार्थी लद्दाखी भाषा में पढ़ाई कर पाने में सक्षम हो सकेंगे. शिक्षा मंत्रालय भारत की सभी भाषाओं में प्रवेशिका का लेखन करा रहा है. मातृभाषा में पढ़ाई के लिए संबंधित भाषा में प्रवेशिका का होना अनिवार्य है. भारत सरकार सभी 22 अनुसूचित भाषाओं और 99 गैर-अनुसूचित भाषाओं में प्राइमर तैयार कर रही है. लद्दाखी गैर-अनुसूचित भारतीय भाषाओं में से एक है. डॉ ताशी के इस कार्य को शिक्षकों ने विवि के लिए उपलब्धि बताते हुए उन्हें बधाई दी है.

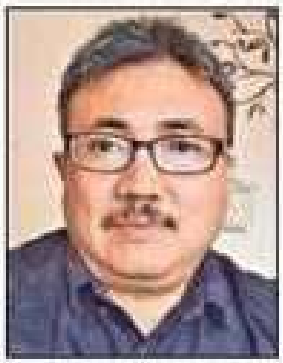

पहल. बिशप्स स्कूल, बहुबाजार में प्रभात खब

धरती हरी-भरी रहे

प्रभात खबर

Friday, August 2, 2024
Ranchi-City
https://epaper.prabhatkhabar.com/clip/66abe219bb35507d56ed8497

सीयूजे के डॉ कोंचोक ने लद्दाखी भाषा की प्रवेशिका तैयार की

रांची. केंद्रीय विवि, झारखंड (सीयूजे) के सुदूर पूर्व भाषा विभाग के असिस्टेंट

प्रोफेसर डॉ कोंचोक ताशी ने लद्दाखी भाषा की प्रवेशिका तैयार की है. यह प्रवेशिका केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत मातृभाषा में पढ़ाई को केंद्र में रखकर एनसीइआरटी एवं भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर के साथ मिलकर तैयार की गयी है. इसका उद्देश्य लद्दाखी भाषा में शिक्षण को बढ़ावा देना है. इसके सहयोग से विद्यार्थी लद्दाखी भाषा में पढ़ाई कर पाने में सक्षम हो सकेंगे. शिक्षा मंत्रालय भारत की सभी भाषाओं में प्रवेशिका का लेखन करा रहा है. मातृभाषा में पढ़ाई के लिए संबंधित भाषा में प्रवेशिका का होना अनिवार्य है. भारत सरकार सभी 22 अनुसूचित भाषाओं और 99 गैर-अनुसूचित भाषाओं में प्राइमर तैयार कर रही है. लद्दाखी गैर-अनुसूचित भारतीय भाषाओं में से एक है. डॉ ताशी के इस कार्य को शिक्षकों ने विवि के लिए उपलब्धि बताते हुए उन्हें बधाई दी है.